GOD'S GRACE
अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

FREE OF COST
FULL OF CARE
VOL. 58, 2018

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

ज़िन्दगी की सच्ची 'तस्वीर दिखाने' और 'सुन्दर तकदीर' बनाने के लिए
Reminders to awaken from deep sleep of 'death forgetfulness'

क्या परलोक में plots की booking करवा रहे हैं?

गरीबों के curse कैसे खाली कर देते हैं भारी भरकम purse?

'आत्मा की अदालत' में 'तारीख की तैयारी' कर रहे हैं क्या?

How to change 'Life Battle' into 'Life Beauty'?

'Life and Death'
practical and enjoyable Sadhna T.V. programmes
of **Mission Happiness** can be seen on
YouTube

Turn to God
before you return To God

Mission Happiness

Mission Consciousness

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

आत्मा का (च्यवनप्राश) चमन प्रकाश

'Tonic for the soul'

For practical applications, mobile no., whatsapp पर contact कर सकते हैं।
Every Sunday - 10 am to 11 am.
YouTube पर Mission Happiness के Sadhna Channel T.V. programmes के 36 episodes से भी qualitative soul nourishment मिलेगी।

Physical health तो नज़र भी आती है और उस पर कुछ ध्यान भी देते हैं किन्तु spiritual and emotional health न तो visible होती है और न ही उसकी care हो रही है।

Ego, Anger, Depression, Greed, Fear, Confusion, Hurry, Worry, यह सभी लक्षण मन और आत्मा की खराब सेहत के लक्षण हैं और यह केवल इस Life में ही नहीं, physical death के बाद भी, DNA के through next life (invisible and visible) में carry होते हैं।

इसीलिए आत्मा की आवाज - 8 pages केवल पढ़ने से कोई विशेष फायदा नहीं होगा। बार-बार पढ़ने और फिर सोचने के बाद समझ, अन्दर से आने लगेगी। यह अन्तर्ज्ञान जगाने के लिए है। बाहर का ज्ञान brain में रहता है। Brain की death के बाद भी अन्तर्ज्ञान ज़िन्दा रहता है।

बाहर की books, knowledge केवल बुद्धि के Level पर help कर सकते हैं, Real and true ज्ञान, अन्दर से, स्वयं आने लगेगा। इसका Evidence मिलता है, एहसास के बढ़ने से - This is also called gut feeling. Intutive abilities expand होने लगती हैं। मन कोमल होने लगता है। दया भाव बढ़ने लगता है, तो समझें आत्मा को tonic मिल रहा है।

The Presenter of this 'Mind medicine' and 'Soul Tonic' called ' आत्मा कीआवाज ' has himself gone through life and death (of body) experiences, इसी आधार पर free of cost, इसका वितरण किया जाता है क्योंकि ज्यादातर लोगों की Life जिस दिशा में जानी चाहिए, उससे बिल्कुल opposite direction में जा रही है। अफसोस, इसका realisation तब होगा जब body में से आत्मा के निकलने का वक्त आएगा - तब लगेगा, अरे ! यह सांसों का खजाना तो हमने लुटा दिया। बीमार, कमजोर आत्मा लेकर, यह पृथ्वीलोक छोड़ना बहुत ही घाटे का सौदा होगा। इस bad bargain से बचना जरूरी है।

So अपनी आत्मा और मन को Toxins - विष, से बचाने के लिए पढ़िए, सोचिए, बार-बार पढ़िए, बार-बार सोचिए- Life change होने लगेगी। Everyday read two times in a day for 5 minutes only, but think at least 10 minutes morning & 10 minutes evening. Total 15 minutes morning में 15 minutes evening में fixed time पर daily अपने लिए निकालें जरूर- तभी आत्मा की तन्दरुस्त सेहत के साथ, परलोक की लम्बी जिन्दगी जीने के लिए शान्ति से जा सकें।

How to get the BEST OF LIFE?

दिल और दिमाग की दोस्ती कैसे करें?

Soul + Mind Friendship

Purification of Mind is very important through the pious energy of soul, before we complete our earthly role.

यह विडम्बना, Paradox नहीं तो क्या है कि एक या दो रूपये के नींबू को इतना निचोड़ लेते हैं कि फेंकने पर दुख नहीं, खुशी होती है। But what about the utilisation of Human brain and body, which is the best creative excellence of God and is most valuable for us? किन्तु जीवन का रस निचोड़ने के स्थान पर अपने ही खून के घूंट पीकर अपनी अमीरी को गरीबी में convert कर रहे हैं!

इसीलिए शरीर की मृत्यु के समय, मन और आत्मा, अप्रसन्न व अशान्त होकर, पृथ्वी लोक छोड़कर, सूक्ष्म लोक में चला जाता है and remains there for a long period in the same state of insanity and restlessness. यह केवल पढ़ने का नहीं – काफी सोचने का matter है।

इस immaturity or अज्ञानता को दूर करके, दिल और दिमाग की दोस्ती कराते हुए Physical body, mind and soul तीनों का भरपूर आनन्द लिया जा सकता है।

किन्तु कैसे ?

दिल means आत्मा, में प्रेम करने की असीम शक्ति होती है। प्रेम करने से ही शान्ति की मिठास का अनुभव होता है। यह माँ से प्राप्त व पोषित होती है।

जबकि Brain में बुद्धि का centre होता है जो Right, wrong of Life Laws बता सकता है। बुद्धि को ईश्वरीय स्मरण से शुद्ध करके, विवेक में बदल सकते हैं। यह पिता के द्वारा blessed property होती है।

बुद्धि से प्राणी केवल material, माया, money, की लाभ हानि सोच सकता है। उसको हित-अहित, (Internal and eternal safety) की बात समझ ही नहीं आती।

'विवेकवान' means 'wise' प्राणी, cosmic laws को समझ कर, अपने साथ, आसपास वालों के कल्याण का ध्यान रखते हुए अपनी अतिरिक्त सुरक्षा भी कर लेता है और materialistic prosperity तो 100% आ ही जाती है।

इस प्रकार सुविधाओं को 'सुख' और 'शान्ति' से Enjoy करने का एक ही Method है Ego, और स्वार्थ से बचते हुए जोकि Life Laws में crime है (sins), दिल और दिमाग का best use करते हुए शानदार जीवन जीकर, शान्ति से परलोक जा सकते हैं।

After death, brain तो जलेगा, (या मिट्टी में मिलेगा) but 'mind' आगे की यात्रा पर चलेगा।

Therefore, MIND CARE IS VERY VERY IMPORTANT

Scientific & spiritual secrets of life

बाहरी दुनिया के अन्दर के रहस्य

Que. 1. : परलोक में plot booking का क्या मतलब है?

Reality : 'दो जहाँ' का अर्थ एक visible world दूसरा Invisible world. Physical body पाने से पहले और बाद में आत्मा, रूहानी दुनिया में रहती है। इसे सूक्ष्म जगत या spirit world कहते हैं। जैसे किसी film की story और dialogues पहले लिखे जाते हैं, बाद में अपने-अपने role के according activity करनी होती है। Similarly Physical world का power centre, Invisible world में होता है। हम पृथ्वी पर अपनी बुद्धि और भावनाओं के अनुसार अपनी किस्मत की स्वयं रचना करके सूक्ष्म जगत में शान्त या अशान्त रहते हैं। दो जन्मों के अन्तर का period, 'subtle life' कहलाती है। इसी purity based peaceful existence, "in invisible spiritual world" को Heaven or Hell भी कहते हैं? **यही period, stay, परलोक में plot कहा जा सकता है।**

Que. 2. : आम लोग ''परलोक में Plot'' की booking को seriously क्यों नहीं लेते?

Reality : इसका main reason है Limited vision. जैसे एक M.D., M.S. Doctor को Physical body की complete mastery हो जाती है और LLM, LLB को Constitution का पूरा ज्ञान होने के कारण, मुकदमों में धाराओं का और सजा का पूरा ज्ञान होता है, उसी प्रकार, Life knowledge study करने के बाद और प्राचीन समय के पैगम्बरों, ऋषियों, मुनियों, महात्माओं के ज्ञान और अनुभव के base पर Transworldly existence का ज्ञान बहुत कम लोगों को होता है। Heart and liver के बारे में जितना deeply specialist doctor जानता है, तभी वह उसका treatment भी कर सकता है। इसी तरह, आत्मा की शान्ति का प्रबंध वही लोग कर सकते हैं जिन्हें आत्मा का ज्ञान व विश्वास दोनों हों। इसीलिए लोग न तो पृथ्वी पर सुखी रहते हैं और न ही Peace of soul की Preparation करते हैं और superficially, body life को पूरा करते हुए, अतृप्त, इस दुनिया से दुखी होकर परलोक में चले जाते हैं।

Que. 3. : What is the difference between Physical body and Astral or subtle body?
भौतिक और सूक्ष्म शरीर में क्या भेद है?

Reality : Human being, मानव शरीर के पांच तत्व होते हैं। आकाश (Ether), वायु (air), अग्नि (Fire), पृथ्वी (Earth) एवं जल (water)

Human body का Blood जल तत्व होता है।
Muscles + Bones - पृथ्वी तत्व होता है।
} PHYSICAL BODY (स्थूल शरीर)

Body death पर यह दोनों Element, physical atmosphere में ही merge हो जाते हैं।

आकाश तत्व - vision
वायु तत्व - momentum - desire - इच्छाएं
अग्नि तत्व - intensity - इच्छा शक्ति
} AURAL BODY (सूक्ष्म शरीर)

इसे DNA का समतुल्य कहते हैं - यह तीनों तत्व सूक्ष्म शरीर के साथ सूक्ष्म जगत में चले जाते हैं?

Earth & Water से Body weight होता है। Ether + Fire + Air से Mass होता है।

so physical body का weight और spiritual body का mass - is a scientific reality.

Que. 4. : ' आत्मा की अदालत ' में ' तारीख ' का क्या मतलब है?

Reality : Battlefield में Air force, Armymen के near Death Experiences, (N.D.E.) के base पर America and Europe के Scientists ने deep research के निष्कर्ष पर पाया कि Body death से पहले consciousness चेतना suddenly multiply हो जाती है और बचपन से लेकर उस समय तक के episodes बहुत तेजी से flash back के रूप में analyse होने लगते हैं। महाभारत के भीष्म पितामह को भी यही N.D.E. हुए थे। तब श्री कृष्ण ने आत्मज्ञान से उन के 100th birth के राज़ खोले थे। Brain death के बाद Analyse करने की ability समाप्त हो जाती है और

Heart के आसपास, केवल **soul space, (हृदय चक्र)**, Realise होना शुरू हो जाता है।

Since the level of consciousness is higher among militarymen because of their training, mind orientation and operating circumstances, their proximity to 'Death knowledge & remembrance', is much higher then in normal persons. इसीलिए सैन्य कर्मी ज्यादा जोशीली व दिलेरी की जिन्दगी जीते हैं।

यही उमंग, उत्साह, सत्यनिष्ठ (कर्तव्यपरायणता) आत्म बल के रूप में Physical death के बाद शान्त रहती है, क्योंकि उसकी illumination power ज्यादा होती है।

' अहसास की प्रक्रिया ' को ही ' आत्मा की अदालत ' में ' तारीख ' कहते हैं। Consciousness decides the level of agony, after physical death. महसूस इंद्रियों को होता है, अहसास सूक्ष्म शरीर को होता है। अतः साफ मन - ज्यादा हिम्मत वाला होता है और स्वार्थी, लालची मन आत्मा के समक्ष कमजोरी महसूस करके विचलित रहता है। ' आत्मग्लानि ' - 'Self Guilt' ही आत्मा की अदालत में तारीख है। दूसरों को जितना दुख देंगे, आत्मग्लानि उतनी ज्यादा होगी। दूसरों को इस दुनिया में जितना सुख देते हैं, ' आत्म संतुष्टि ' उतनी ज्यादा होती है।

आत्मा की संतुष्टि से ही मोक्ष इसी जीवन में मिल सकता है।

'Beautiful Life of Soul' and 'Peaceful Death of Physical Body' के Relations समझ कर
Interesting and Enlightening जीवन जीने के लिए Simple Secrets.
Mission Happiness के symposium द्वारा experience किए जा सकते हैं
No Charges. Only clean space required. Minimum gathering required 200.
Age above 20 years. Mobiles Silent. Duration - 90 minutes.
Contact : 9837032053, 9536824265

'लाभ' और 'शुभ लाभ' में अन्तर

How "Income" can invite DIVINE ENERGY or DARK ENERGY?

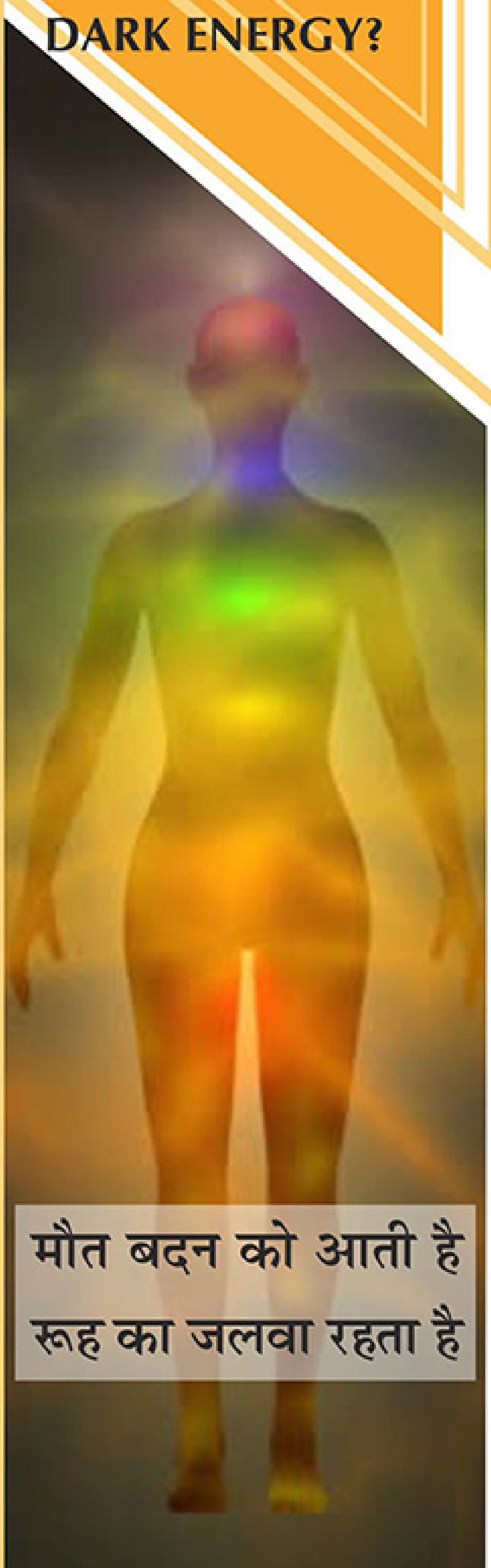

लाखों नहीं करोड़ों की आमदनी enormous property, name and fame होते हुए भी, ज्यादातर धनवान दुखी रह रहे हैं और दुविधा में जीते हुए दर्द लेकर संसार से जा रहे हैं।

Why Heaven is being converted into hell? पृथ्वी पर यह हाल है तो Body death के समय और बाद में, 'मन और आत्मा' का क्या हाल होगा? क्योंकि physical body छोड़ते समय मन बहुत भयभीत होता है - यदि मन कठोर रहा और दया की नहीं। दान भी किया तो केवल दिखावे के लिए।

इसका कारण जानकर निवारण करना,जरूरी भी बहुत है और Easy भी है।

Simple है Science- Law of Attraction की!

जो देंगे वही वापिस आना ही है। यह 'आना ही' बहुत Important है means 100% truth है - whatever we sow, so shall we reap.

गरीबों, असहायों, दुखियों का हक मार के, उन्हें कमजोर और छोटा समझ कर, उनसे धन कमाना तब तक अच्छा लगता है जब तक उसके Results सामने नहीं आने लगते। जीवन के ज्ञान और विज्ञान को जाने, समझे बिना, जल्दबाज़ी में अनैतिक तरीके (दूसरों को दुख देकर) से धन accumulate करने से black energy तेजी से जीवन में प्रवेश करके दुर्घटनाओं के रूप में प्रकट होने लगती है। because, सारा खेल Energy ऊर्जा, का है, जिसे लोग - God, प्रभु, अल्लाह, वाहेगुरू कहते हैं, पूजापाठ करते हैं, दुआ मांगते हैं किन्तु उसे ठीक से जानने की कोशिश नहीं करते। Universal intelligence, एक प्रकार का super computer है, जो मन की भावनाओं, intentions को जान लेता है। माथे की लकीरों (बुद्धि), से हाथ की लकीरों (किस्मत) को बदलना, अपनी safety के लिए जरूरी है।

Because unconsciously and unnecessarily the evil spirits are attracted and they appear in many forms - like, अचानक बीमारी आ जाना, Accident हो जाना, Relations खराब हो जाना, गुस्सा आना, Mood खराब रहना, दवाईओं के सहारे body को बचाना आदि।

Therefore, थोड़ी सी मेहनत करके, Life के Laws को समझ लेने से, कमाई की दिशा बदल लें, तब दशा cent percent बदल जानी है। Enlightenment आते ही enjoyment भी आने लगता है -

Solution :- शुद्ध मन से शुभ लाभ कैसे ?

1. Money Earning में गरीबों की हानि न होने देने का संकल्प
2. इसके लिए बिना दिखावा किए दान करना
3. Seeking mercy for the past misdeeds
4. Prayer करना, Evil spirit पास तक नहीं आएँगी - Divine protection पूरी मिलने लगेगी। **Family protected रहेगी और पूर्वजों की आत्माएँ शान्त रहेंगी। लाभ digest नहीं होता।**

'शुभ लाभ' - 'हलाल' ही रास आता है - परिवार सुखी रहता है।

This is a Divine Reminder

Mission Happiness

से

INTERNAL SECURITY of Doctors and Chemists

कैसे ?

Prosperity, Peace and Protection together ? How ?

25000 copies of 'Voce of Soul' - आत्मा की आवाज के through, Doctors, Chemists, Politicians, Officers, Lawyers, business persons को Life & Death, पाप और पुण्य के reminders, तभी पहुँच पा रहे हैं, क्योंकि Mission Happiness में cosmic laws, ईश्वरीय निमयों की शक्ति और उसके प्रभाव को स्वयं experience कर रहे हैं।

How?

Sale & Marketing – means अपने products की Quality and Price को स्वार्थ के लिए highlight करके Doctors से prescriptions and chemists से orders लेना – मांगना हुआ – **इससे lower energy create होती है।**

Divine business Promotion means, Doctors and Chemists को products की quality and Price को compare करके good, better, best, choose करने में help करना – इससे Greed and fear की Negative Energy eliminate हो जाती है और **higher Divine Energy, सब की life में आने लगती है।**

Doctors & Chemists को hidden, negative Energy '' श्रापों, curses की मारकक्षमता के reminders देकर, उनकी और अपनी internal security, मन+आत्मा की सफाई और सुरक्षा करना, यह **true Divine relationship** है।

Doctors-Chemists के लिए Mission Happiness का यह Divine gift है। क्योंकि,

सबसे बड़ी negligence है- यह Ignore करना कि physical body की death suddenly कभी भी हो सकती है – At that time, sale, money, deal, Gifts, सब कुछ useless ही नहीं हो जाते बल्कि, आत्मा के लिए (which remains alive) के लिए harmful हो सकते हैं।

Hradly10-15 years की remaining life के लिए poor patients की बद्दुआएं, अपने divine account में सदा के लिए transfer कर लेना काफी खतरनाक business है। **इसीलिए Doctors/Chemists को patients की blessings दिलाने वाले products हैं Mission Happiness के।**

For example, जब Doctors / Chemists Just Rs. 200 per day के according, Rs. 6000 per month के Divine products prescribe या purchase करते हैं **तब 30% की patient saving**, Rs. 1800 per month, **doctors/chemists के divine account में deposit होकर difficult time में उन की families की protection करते हैं।** Law of life is absolutely straight and simple. If we help the poor and needy in their difficult times,

only then help will come to us in our difficult times.

SO, ALL PRODUCTS OF MISSION HAPPINESS ARE PREPARED AND PRICED FOR SECURITY OF OUR OWN, AS WELL AS, DOCTOR'S & CHEMIST'S FAMILIES.

पृथ्वी पर ही स्वर्गवासी कैसे हों?

Reminders for Safe, Successful & Cheerful Life

HEAVEN ON EARTH HOW?

1. ईश्वरीय शक्ति का अनुभव मदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे, गिरजाघर के अतिरिक्त, हर वस्तु व व्यक्ति में करने की practise करें। For example चलते समय समहे को अनुभव करें, बोलते समय अपने को ही सुनें।
2. इससे sense organs, satisfy होती हैं और सम्बन्धों में मधुरता आती है।
3. माता पिता, बहन भाई, पति पत्नि, बच्चे, मित्र – यह सभी केवल कुछ समय के लिए हमारे जीवन में आए हैं, – यह ध्यान में लगातार रखने से रिश्तों का रस पीना आता है। रिश्तों से अहंकार को तो भगा ही दें। This satiates the soul and rejoicing appears in dealings.
4. हर Action, प्रत्येक काम के through, 'अपनी body और mind को importance दें'। All activities ought to be directed to soothe the mind, then only physical body remains healthy.
   काम के through मन को pleasure देना जरूरी है, इन्द्रियाँ तभी प्रसन्न रहती हैं।
5. Happy Mind से अपने लिए और दूसरों के लिए, 'prayers and blessings' का use करें। ज्यादा से ज्यादा use करने से invisible world की Angelic powers, help करने लगती हैं।

   For example - Telephonic conversation में

   a. Beginning में – Hello के स्थान पर 'God Bless you', 'राम-राम', 'असलाम वालेकुम', 'वाहे गुरू जी' जैसे पवित्र शब्द **आत्मा से महसूस कर के बोलें**। इससे consciousness चेतना उच्च होती जाती है। Divine Bank Balance 'नाम स्मरण' का खजाना भरने लगता है।

   b. Call के End में – **Have a long, happy life**, 'आप चिरायु हों', 'आप सुखी रहें', जैसी blessings, positive Energy generate कर देते हैं – जो सुख ही सुख देती हैं। **जितनी blessings दूसरों को देंगे, उसकी multiples return gift के रूप में आनी ही हैं।**
6. अच्छी music और self help books दिन में at least two times in a day use करें – Just 10-15 minutes भी रौनक लाने वाले होंगे। पढ़कर **सोचें** जरूर – **अपनी बुद्धि की दोस्ती अपने मन से करने पर, आत्मबल multiply** होने लगता है।

Just start on these simple & sensible points, Anger, Ego, & hurry will start vanishing.

जीवन बहुत कीमती है – समय को काटना नहीं, धरती पर ही स्वर्ग का अनुभव कर सकते हैं।

आत्मा को शुद्ध और खुश करके ही, शरीर छोड़ने में जीवन की सफलता है।

God Bless

Published by MISSION HAPPINESS Ph. : 9837032053, 9536824265 e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in